कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)
Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax – 07745 – 299273
Accredited by NAAC with Grade "B"

विभागीय कार्यक्रम – राजनीति विज्ञान विभाग
सत्र – 2022–23

क्र.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	सम्मिलित छात्र –छात्राओं की संख्या
1	02.07.22	प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था पर अतिथि व्याख्यान	70
2	10.10.22	मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य का महत्व पर अतिथि व्याख्यान	60
3	26.11.22	संविधान दिवस का आयोजन	86
4	06.12.22	डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस का आयोजन	120
5	10.12.22	मानवाधिकार दिवस का आयोजन	90
6	04.02.23	अंतर महाविद्यालयीन व्याख्यान	76
7	14.04.23	डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन	75
		कुल संख्या	577

विभागाध्यक्ष

प्राचार्य
शास. रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय
छुरिया
राजनांदगांव (छ.ग.)

Scanned by CamScanner

कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax – 07745 – 299273
Accredited by NAAC with Grade 'B'

दिनांक 02.07.2022

प्रेस विज्ञप्ति

राजनीति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

विषय – प्रजातंत्रिक शासन व्यवस्था

शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया में दिनांक 02 जुलाई 2022 को राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) के दिशा निर्देशन एवं IQAC प्रभारी डॉ. एच.एस. भाटिया, के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। जिसके मुख्य वक्ता के रुप में डॉ. नागरत्ना गनवीर, सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान) शासकीय विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव उपस्थित रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र की पूजा अर्चना कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) ने उद्घाटन उदबोधन में विद्यार्थियों से कहा कि हमारे भारत के प्रजातंत्रिक शासन विद्यमान है जो सर्वोत्तम है।

मुख्य वक्ता श्रीमती डॉ. नागरत्ना गनवीर, ने प्रजातंत्रिक शासन व्यवस्था विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रजातंत्र क्या है, उसके गुण, दोष पर प्रकाश डाला एवं प्रजातंत्र को सफल बनाने के लिये आवश्यक परिस्थितियां एवं शर्तो के बारे मे कहा कि जनता में प्रजातंत्रात्मक शासन को सफलतापूर्वक संचालन करने के लिये प्रबल इच्छा और उसे चलने की क्षमता होनी चाहिए तथा जनता को प्रजातंत्र की रक्षा के लिये सतत प्रयत्नशील रहने के अतिरिक्त जनता का अपने कर्तव्यों का पालन और आवश्यकता पड़ने पर अधिकारी की रक्षा करने की इच्छा एवं क्षमता होना चाहिए। इस विषय के विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा चौरे (नेताम), व वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. एच.एस. भाटिया एवं महाविद्यालय के सभी अतिथि व्याख्याता, बड़ी संख्या में छात्र–छात्राए उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री चैतराम यादव, ने किया एवं आभार प्रदर्शन किया।

प्राचार्य

GOVT. S.M.D. COLLEGE CHHURIA

प्राचार्य

Scanned by CamScanner

कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)
Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax – 07745 – 299273
Accredited by NAAC with Grade "B"

दिनांक 10.10.2022

प्रेस विज्ञप्ति

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा सेमीनार का आयोजन

विषय – मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य का महत्व

शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम), के निर्देशन में दिनांक 10/10/2022 को राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर पूजा अर्चना करके किया गया। प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम), ने संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार के बारे में विचार प्रकट किये एवं मौलिक अधिकार के प्रकार एवं कर्तव्य पर प्रकाश डाला। इस सेमीनार में मुख्य वक्ता ए.आर. ध्रुव वरिष्ठ प्राध्यापक शासकीय कुज बिहारी चौबे एल.बी. नगर उपस्थित रहें। उन्होंने संविधान में वर्णित मौलिक अधिकार और कर्तव्य के महत्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किया और कहा कि मौलिक अधिकार नागरिकों को कानूनी संरक्षण प्रदान करता है परन्तु कई लोग ऐसे भी जो मौलिक अधिकारो की आड़ में इन अधिकारों का दुरुपयोग करते है इस सेमीनार में महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. सुषमा चौरे (नेताम), वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. एच.एस. भाटिया, एवं सहायक प्राध्यापक श्री उष्यंत कुमार, श्री नरेन्द्र कुमार उइरिया, सुश्री दीपिका ध्रर्वे, सुश्री प्रीतिबाला ठाकुर, श्री विनय चौरे व सभी अतिथि व्याख्यातागण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थिगण उपस्थित रहे, मचं का सफल संचालन श्री उष्यंत कुमार चनाप ने किया एवं आभार प्रदर्शन सुश्री दीपिका धुर्वे, ने किया।

प्राचार्य

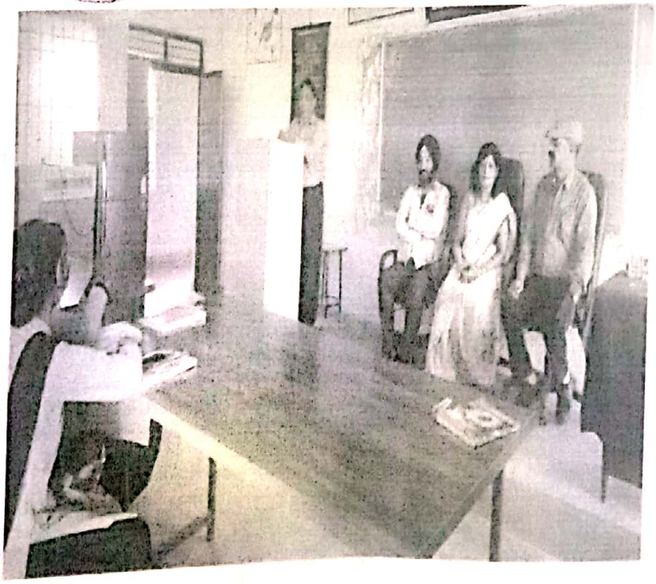

विभागाध्यक्ष

प्राचार्य

Scanned by CamScanner

(१२)

राजनीति विज्ञान विभाग में संविधान दिवस का आयोजन

26.11.22

स्थानीय शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया, जिला -राजनांदगांव में संविधान दिवस का आयोजन दिनांक 26/11/22 को प्राचार्य डॉ. श्रीमती सुषमा चौरे (जेठाम) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों व संस्था के सभी विद्यार्थियों को संविधान की उद्देशिका का वाचन कर शपथ दिलाया गया।

प्राचार्य डॉ. श्रीमती सुषमा चौरे (जेठाम) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के ही 26 नवम्बर 1949 को हमारा भारतीय संविधान बनकर तैयार हुआ। हमारे भारतीय संविधान का मूल उसकी उद्देशिका है, जिसमें सभी नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, न्याय, समानता, स्वतंत्रता, संप्रभुता की बातें लिखित हैं प्रत्येक भारतीय नागरिकों को अपने देश के संविधान की जानकारी होना चाहिए तथा अपने संविधान के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र शर्मा, श्री उमेश कुमार, श्री नरेन्द्र कुमार उमरिया, श्री विनय चौरे एवं अन्य सहायक प्राध्यापक विशेष रूप से उपस्थित रहे एवं अधिक से अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री उमेश कुमार सहायक प्राध्यापक ने किया।

GOVT. R.S.R.D COLLEGE CHHURIA

प्राचार्य

विभागाध्यक्ष

Scanned by CamScanner

कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)
Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax - 07745 - 299273
Accredited by NAAC with Grade B

दिनांक 06.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर जी का परिनिर्वाण दिवस आयोजत

शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय, छुरिया जिला राजनांदगांव में प्राचार्य, डॉ. श्रीमती सुषमा चौरे (नेताम), के दिशा निर्देशन में एवं आईक्यूएसी प्रभारी श्री विनय चौरे, के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से दिनांक 06/12/2022 को डॉ. भीमराव आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. श्रीमती सुषमा चौरे (नेताम), द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया तथा 2 मिनट का मौन धारण करके श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) ने अपने उदबोधन में कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर जी बहुत बडे समाज सुधारक विद्वान थे जिन्होंने दलित वर्गो की स्थिति में सुधार लाने एवं छुआ–छुत जैसी प्रथा को समाप्त करने में अहम् भूमिका निभायी थी। डॉ. भीमराव आंबेडकर जी ने दलित वर्गो के उत्थान के लिये महत्वपूर्ण कार्य किया, वे समाज सुधारक के रुप में जाने जाते है इसलिये आज का दिन बाबा साहेब की पुण्य तिथि तथा महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनायी जाती है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. एच.एस. भाटिया, एवं सहायक प्राध्यापक श्री उष्यंत कुमार, सुश्री दीपिका धुर्वे, सुश्री प्रीतिबाला ठाकुर एवं श्री चौतराम यादव, अन्य अतिथि व्याख्यातागण तथा अधिक से अधिक संख्या में छात्र–छात्राए उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री उष्यंत कुमार, सहायक प्राध्यापक ने किया।

प्राचार्य

GOVT. R.S.D. COLLEGE CHHURIA

Scanned by CamScanner

कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

दिनांक 10.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति

राजनीति विज्ञान विभाग में मानवाधिकार दिवस का आयोजन

स्थानीय शासकीय रानीसूर्यमुखी देवी महाविद्यालय, छुरिया जिला राजनांदगाव में दिनांक 10/12/2022 को मानवधिकार दिवस का आयोजन संस्था प्रमुख डॉ. श्रीमती सुषमा चौरे (नेताम), के दिशानिर्देशन एवं IQAC प्रभारी श्री विनय चौरे के मार्गदर्शन मे किया गया। सर्वप्रथम विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ. श्रीमती सुषमा चौरे (नेताम), ने अपने उदबोधन में कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर जी ने सभी नागरिकों का मानवधिकार, संविधान द्वारा किया गया है उसके महत्व पर प्रकाश डाला । डॉ. राजेन्द्र शर्मा वरिष्ट प्राध्यापक ने मानवधिकार के विषय पर कहा है यह अधिकार सभी नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता, शोषण के विरुद्ध आदि अधिकार प्रदान करता है। जो महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. एच.एस. भाटिया, श्री नरेन्द्र उमरिया, सहायक प्राध्यापक सुश्री प्रीतिबाला ठाकुर, सुश्री दीपिका ध्रुवे एवं श्री चैतराम यादव, अन्य अतिथि व्याख्याता एवं सभी कर्मचारीगण तथा अधिक से अधिक संख्या में छात्र-छात्राए उपस्थित रहे, कार्यकम का संचालन नरेन्द्र कुमार उपरिया सहायक प्राध्यापक नक किया।

प्राचार्य

Scanned by CamScanner

राजनीति विज्ञान विभाग में अंतरविभागीय व्याख्यान का आयोजन

04/2/23

प्राचार्य

विभागाध्यक्ष

Scanned by CamScanner

कार्यालय - प्राचार्य, शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया
जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

Website - chhuriacollege.com Email chhuriacollege@gmail.com Phone&Fax – 07745 – 299273
Accredited by NAAC with Grade "B"

दिनांक 14.04.2023

शासकीय महाविद्यालय छुरिया में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन

आज दिनांक 14.04.2023 को रानी सुर्यमुखी देवी महाविद्यालय छुरिया में प्राचार्य, डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) के दिशा निर्देशन एवं IQAC प्रभारी श्री विनय चौरे के मार्गदर्शन में राजनीति विज्ञान विभाग के तत्वाधान में डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य के द्वारा बाबा साहेब अंबेडकर जी के तैलचित्र पर सुमन अर्पित दीप प्रज्जवलित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सुषमा चौरे (नेताम) ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर एक प्रसिद्ध राजनीतिक नेता, दार्शनिक लेखक, अर्थशास्त्री, कानून विशेषज्ञ, बहुभाषाविद, धर्मदर्शन के विद्वान, संविधान निर्माता और एक समाज सुधारक थे, जिन्होने भारत में छूआछूत और सामाजिक असमानता के उन्मूलन के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि अस्पृश्यता को हटाए बिना राष्ट्र की प्रगति नही हो सकती है। 14 अप्रैल का दिन पूरे भारत में आंबेडकर जयंती के तौर पर मनाया जाता है। वह भारत दलितो व पिछड़े वर्गों के मसीहा थे। यही लोग उन्हे बाबा साहेब कहकर बुलाते थे। बाबा साहेब ने भारत के संविधान निर्माण में सबसे अहम् भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हे संविधान का जनक भी कहा जाता है। उन्होने हमेशा मजदूर वर्ग व महिलाओं के अधिकारो का भी समर्थन किया। बाबा साहेब कहा करते थे कि वह ऐसे धर्म को मानते है जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा सिखाता है, उनका मानना था कि जीवन लम्बा होने के बजाय महान होना चाहिए और 14 अक्टूबर 1956 को उन्होने अपने कई अनुवायियो के साथ बौद्ध धर्म को ग्रहण किया क्योंकि यही एक धर्म है जो मानवता का पाठ पढ़ाता है। सन् 1990 में उन्हे मरणोपरांत भारत सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया गया।

IQAC प्रभारी श्री विनय चौरे ने अपने उद्‌बोधन में आंबेडकर जी के जीवन प्रकाश डाला उन्होने कहा कि भारत को संविधान देने वाले भीमराव अंबेडकर जिसे लोग अछूत और बेहद नि चला वर्ग मानते थे। बचपन में अंबेडकर के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया गया। वे पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बावजूद लगातार अपने विरूद्ध हो रहे इस अलगाव और भेदभाव से व्यथित रहे तथा अपने को अपमानित समझा। अतः उन्होने बौद्ध धर्म को अपनाया। इन्होंने भारत जैसे विविधता से भरे देश के लिए संविधान निर्माण व पिछड़े वर्गों में उत्थान के लिए किये गये कार्यों के कारण बाबा साहेब का नाम भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं।

इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के अधिकांश विद्यार्थी एवं एम.ए. हिन्दी साहित्य द्वितीय एवं चतुर्थ सेम. के विद्यार्थियों में भूषण कुमार, कु. सुमन, कु. टोमीन, खोमेश कुमार, कु. गोदावरी आदि ने बाबा साहेब पर काव्यपाठ व निबंध, भाषण प्रस्तुत किये।इस कार्यक्रम में मंच संचालन श्री ओमप्रकाश सहारे व आभार व्यक्त श्री सी. आर. यादव द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर वाणिज्य विभाग के प्रमुख डॉ. राजेन्द्र शर्मा व डॉ. एच. एस. भाटिया, श्री उष्यंत कुमार, श्री नरेन्द्र कुमार उमरिया, प्रीतिबाला ठाकुर, दीपिका ध्रुवे तथा अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विभागाध्यक्ष

डॉ. सुषमा चौरे (नेताम)
प्राचार्य

Scanned by CamScanner